भारतीयता के निर्माण में एनसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका : डॉ. प्रेम बहादुर मांझी

हिंदी विश्वविद्यालय के कोलकाता केंद्र में 'एनसीसी के महत्व' पर परिचर्चा का आयोजन

कोलकाता।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता परिसर में नेशनल कैडेट कोर यानी एनसीसी के महत्व पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। आरंभ में केंद्र के निदेशक प्रो. कृपाशंकर चौबे ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाराजा श्रीश चंद्र कॉलेज के सहायक प्रोफ़ेसर एवं लेफ्टिनेंट डॉ. प्रेम बहादुर मांझी का परिचय कराया तथा विश्वविद्यालय द्वारा इस केंद्र की स्थापना के उद्देश्यों के बारे में बताया। हिंदी के सहायक प्रोफ़ेसर डॉ. सुनील कुमार एवं चीनी भाषा के सहायक प्रोफ़ेसर डॉ अनिर्बाण घोष ने अतिथि वक्ता का क्रमशः सूत की माला पहनाकर एवं चरखा देकर स्वागत-सम्मान किया। इस अवसर पर केंद्र के नए विजिटिंग फैकल्टी डॉ. कार्तिक चौधरी को भी सूत की माला एवं चरखा से सम्मानित किया गया| इस मौक़े पर केंद्र के विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने कुलगीत प्रस्तुत कर अथितियों का स्वागत किया।

डॉ. मांझी ने बताया कि ब्रिटिश काल में सैनिकों की कमी के कारण 1917 में विश्वविद्यालय कोर के रूप में, 1920 में विश्वविद्यालय ट्रेनिंग कोर और 16 जुलाई 1948 को नेशनल कैडेट कोर यानी एनसीसी की स्थापना की गई। इसका उद्देश्य युवाओं में अनुशासन और एकता लाना है। उन्होंने बताया कि एनसीसी को सेकेंड आर्म्स डिफेंस का दर्जा दिया जाता है। इस समय देश में एनसीसी कैडेटों की संख्या 16 लाख के करीब है। एनसीसी के लक्ष्य के बारे में चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि इसमें सिर्फ व सिर्फ देश की सेवा करने की भावना होती है। सबसे पहला लक्ष्य चरित्रवान बनाना, भाईचारा, अनुशासन, लीडरशिप, पंथनिरपेक्ष और स्वार्थहीन भावना का विकास करना होता है। दूसरा लक्ष्य एक ऐसे युवा वर्ग को तैयार करना, जो संस्था के रूप में सकारात्मक सोच लाने की दिशा में भी काम करें। तीसरा सशस्त्र बल में शामिल करने के लिए मानव बल तैयार करना। इसके लिए एनसीसी की तरफ से ट्रेनिंग देकर ए, बी और सी सर्टिफिकेट के लिए परीक्षा का आयोजन होता है। डॉ माँझी ने विस्तार से एनसीसी की ट्रेनिंग प्रक्रिया, व्यक्तित्व विकास में उसकी भूमिका, करियर की दिशा में इससे होने वाले लाभ तथा सेना के विविध अंगों-पक्षों की जानकारी दी| डॉ मांझी ने इससे जुड़ी कुछ फ़िल्में दिखाईं तथा विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए| इस अवसर पर एनसीसी के कुछ कैडेट भी उपस्थित थे| इस आयोजन में शोधार्थी संदीप कुमार दुबे, चांदनी कुमारी, सद्दाम हुसैन, मौसमी गुप्ता, चन्द्र मणि सहित हिंदी व जनसंचार के विद्यार्थी विनय साव, विनोद कुमार, बबलू चौधरी, सागर साव, अमित साह, सुशील पाण्डेय, अर्चना कुमारी, सबिता कुमारी, श्वेता तिवारी, नीलम कुमारी, सुखेन तथा रीता आदि मौजूद रहे। अंत में डॉ सुनील कुमार के धन्यवाद ज्ञापन एवं एनसीसी का गीत 'हम सब भारतीय हैं' से कार्यक्रम का समापन हुआ|

गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी
केंद्र,
NCC

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
क्षेत्रीय केंद्र, को
2018-8-29 16:35

संकाय सदस्य

V192

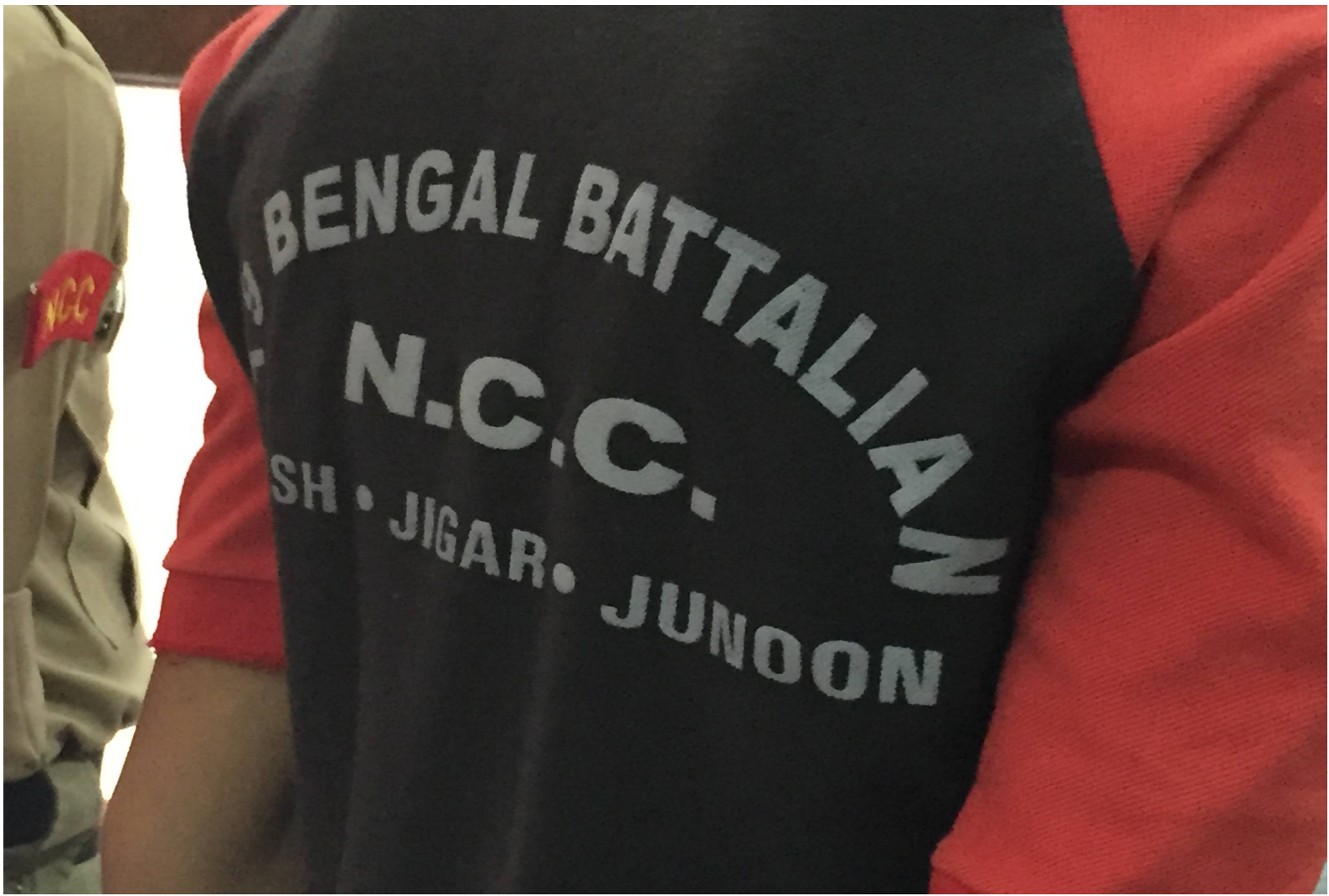
BENGAL BATTALIAN
N.C.C.
SH • JIGAR • JUNOON